DR. G. NATCHIAR

Dr. G. Natchiar, is an eminent ophthalmologist. She is the Director Emeritus, Human Resource Department and Vice Chairman Emeritus of Aravind Eye Hospitals & Postgraduate Institute of Ophthalmology, Madurai.

2. Born on 15th September, 1940, Dr. Natchiar graduated from Madras University in 1962 and earned her Master's in Ophthalmology from Madurai Medical College in 1969. She further specialised in Ocular Pathology at the University of Illinois, Chicago, and completed a Non-Clinical Fellowship at Boston, and Harvard Medical University, Massachusetts.She began her career as an Assistant Professor at Madurai Medical College. She is a founding member of the GOVEL Trust, which runs Aravind Eye Hospitals, and the Postgraduate Institute of Ophthalmology. The Aravind Eye Hospital was established in 1976 with the primary mission to eliminate needless blindness by providing high-quality, compassionate, and affordable eye care to all. Since inception, she played several significant roles to further the organisation's journey towards its mission.

3. From quite early on Dr. Natchiar took responsibility for the Mid-Level Ophthalmic Personnel (MLOP) programme at Aravind and over the years, she played a crucial role in its development. Her passion lies in empowering young women from rural backgrounds, by providing training, and transforming them into world-class mid-level eye care professionals. She played a key role in launching the much-needed microsurgical training programme, first of its kind and personally trained over two thousand ophthalmologists from India and other developing nations. In addition to heading the Neuro-ophthalmology and Cataract departments, she also coordinated the community outreach programme, which is the cornerstone of Aravind's high-volume work.Today, Aravind Eye Care System renders services through its wide network of 14 eye hospitals, 112 telemedicine-assisted village vision centres, seven community eye clinics, a manufacturing centre for ophthalmic products (Aurolab), Aravind Medical Research Foundation (AMRF) and a consultancy and training institute for community eye care (LAICO).After retiring from active clinical services in 2011, Dr. Natchiar continues to work full time - devoting 50% of her time to organic farming at Aurofarm, and the remaining 50% to further growing Aravind Eye Care System.

4. During Dr. Natchiar's long career of over 50 years, she held several memberships and positions at professional bodies, including President of Tamil Nadu Ophthalmic Association, Syndicate member of Manonmaniam Sundaranar University, Tirunelveli, Member of Gandhigram Trust, and many more. She was also the consulting editor for the journal of the Neurological Society of India for neuro-ophthalmology, and Managing Editor in Kannoli - Aravind's journal to create eye care awareness among its patients. Recognising the paucity of academic text books relevant to developing economies, she authored several books, including Visual Field Defects in Intracranial Tumours (1980), Anatomy of the Eye (1986), Neuro-Ophthalmology - A Manual for Postgraduates (1995), and contributed chapters for around 16 books related to Ophthalmology. She brought out a series of manuals for the Allied Ophthalmic Personnel, again a first of its kind. She has published over 55 papers in national and international journals, delivered many prestigious orations, and participated in several international and national conferences.

5. Dr. Natchiar's has been honoured with several awards including the Rotary Humanitarian Service Award presented by the Chidambaram Mid- Town Rotary Club on February 21, 1999; Doctors Day award from the Indian Medical Association, Madras, Tamil Nadu State Branch, on July 15, 2001. Life-Time Achievement Award bestowed upon her during the 57th Annual Conference of TNOA at Coimbatore in August 2009; Doctor of Science award from Tamil Nadu Dr. M.G.R. Medical University, Chennai in 2010; Lifetime Achievement Award by the Centre for Sight, I Focus 2018, New Delhi.

डॉ. जी. नाचियार

डॉ. जी. नाचियार एक प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। वह मानव संसाधन विभाग के निदेशक एमेरिटस एवं अरविंद आई हॉस्पिटल्स एंड पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, मदुरै के उपाध्यक्ष एमेरिटस हैं।

2. 15 सितंबर, 1940 को जन्मी, डॉ. नाचियार ने 1962 में मद्रास विश्वविद्यालय से स्नातक और 1969 में मदुरै मेडिकल कॉलेज से नेत्र विज्ञान में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने शिकागो के इलिनोइस विश्वविद्यालय में नेत्र रोग विज्ञान में विशेषज्ञता हासिल की और बोस्टन तथा हार्वर्ड मेडिकल यूनिवर्सिटी, मैसाचुसेट्स में नॉन–क्लिनिकल फेलोशिप पूर्ण कीं। उन्होंने मदुरै मेडिकल कॉलेज में सहायक प्रोफेसर के रूप में अपना करियर शुरू किया। वे गोवेल ट्रस्ट जो अरविंद नेत्र अस्पताल और पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी का संचालन करता है, की संस्थापक सदस्य हैं। सबके लिए उच्च गुणवत्ता युक्त, सहृदयतापूर्ण और सस्ती नेत्र चिकित्सा सुविधा प्रदान करके अनावश्यक अंधापन खत्म करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ 1976 अरविंद आई हॉस्पिटल्स की स्थापना की गई थी।

3. डॉ. नाचियार ने प्रारंभ से ही अरविंद अस्पताल में मिड–लेवल ऑप्थेलमिक पर्सनेल (एमएलओपी) कार्यक्रम की जिम्मेदारी अपने हाथों में ली और वर्षों तक उन्होंने इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका उद्देश्य, ग्रामीण पृष्ठभूमि की युवा महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना और उन्हें विश्व श्रेणी की मध्य–स्तरीय नेत्र देखभाल पेशेवर बनाना था। उन्होंने समाज के लिए अत्यंत जरूरी माइक्रोसर्जिकल प्रशिक्षण कार्यक्रम, जो कि अपने तरह का पहला अनूठा कार्यक्रम था, को शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारत और अन्य विकासशील देशों के दो हजार से अधिक नेत्र रोग विशेषज्ञों को व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षित किया। न्यूरो–नेत्र विज्ञान और मोतियाबिंद विभागों के प्रमुख रहने के अलावा, उन्होंने सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का भी समन्वय किया, जिसकी वजह से आज अरविंद अस्पताल बड़ी संख्या में रोगियों को सेवा प्रदान कर रहा है। आज, अरविंद आई केयर सिस्टम, 14 नेत्र अस्पतालों, 112 टेलीमेडिसिन–सहायता प्राप्त विलेज विजन सेंटर्स, सात कम्यूनिटी आई क्लिनिक, नेत्र संबंधी उत्पादों के लिए विनिर्माण केंद्र (ऑरोलैब), अरविंद मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन (एएमआरएफ) और सामुदायिक नेत्र देखभाल के लिए परामर्श और प्रशिक्षण संस्थान (एलएआईसीओ) के अपने विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से सेवाएं प्रदान करता है। वर्ष 2011 में सक्रिय चिकित्सा सेवा से निवृत्त होने के बाद, डॉ. नैचियार ने पूर्णकालिक कार्य जारी रखा है और अपना आधा समय ऑरोफार्म में जैविक खेती में लगाती हैं और शेष आधा समय अरविंद आई केयर सिस्टम के मिशन को और आगे बढ़ाने के लिए समर्पित करती हैं।

4. डॉ. नाचियार ने 50 वर्षों से अधिक लंबे करियर के दौरान, कई प्रोफेशनल संस्थाओं में सदस्य और पदाधिकारी के रूप में सेवाएं प्रदान की हैं, जिनमें तमिलनाडु ऑप्थेलमिक एसोसिएशन के अध्यक्ष, मनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय, तिरुनेलवेली की सिंडिकेट सदस्य, गांधीग्राम ट्रस्ट की सदस्य आदि शामिल हैं। वह न्यूरो–नेत्र विज्ञान के लिए न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के जर्नल की परामर्श संपादिका और अपने अस्पताल के रोगियों के बीच नेत्र देखभाल के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए अरविंद अस्पताल के जर्नल "कन्नोली"की प्रबंध संपादिका भी रहीं थीं। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अकादमिक पाठ्य पुस्तकों की कमी को देखते हुए, उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं, जिनमें विजुअल फील्ड डिफेक्ट्स इन इंट्राक्रानियल ट्यूमर (1980), एनाटॉमी ऑफ द आई (1986), न्यूरो–ऑप्थल्मोलॉजी–ए मैनुअल फॉर पोस्टग्रेजुएट्स (1995) शामिल हैं। उन्होंने नेत्र विज्ञान से संबंधित लगभग 16 पुस्तकों के लिए चैप्टर लिखकर अपना योगदान दिया है। उन्होंने सहयोगी नेत्र कार्मिकों के लिए मैनुअल की अपनी तरह की पहली शृंखला निकाली। उनके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 55 से अधिक लेख प्रकाशित हुए हैं तथा उन्होंने कई प्रतिष्ठित मंचों से भाषण दिए हैं और कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी की है।

5. डॉ. नाचियार को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें 21 फरवरी, 1999 को चिदंबरम मिड–टाउन रोटरी क्लब द्वारा प्रदान किया गया रोटरी ह्यूमेनेटेरियन सर्विस अवॉर्ड; 15 जुलाई 2001 को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, मद्रास, तमिलनाडु राज्य शाखा की ओर से डॉक्टर्स डे पुरस्कार शामिल हैं। उन्हें अगस्त 2009 में कोयंबटूर में टीएनओए के 57वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान लाइफ–टाइम अचीवमेंट पुरस्कार; 2010 में तमिलनाडु डॉ. एम.जी.आर. मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नै से डॉक्टर ऑफ साइंस पुरस्कार; सेंटर फॉर साइट, आई फोकस–2018, नई दिल्ली द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार भी प्रदान किया गया है ।